HEMCHANDRACHARYA NORTH GUJARAT UNIVERSITY, PATAN

PROGRAMME: MASTER OF ARTS (M.A.)

SEMESTER SYSTEM

PROGRAMME CODE: HNGU2012

AS PER THE NEW GUIDELINES FROM THE UNIVERSITY

(WITH EFFECT FROM JUNE-2020-21)

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

CORE COURSE

હિન્દી

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -301 ' आधुनिक हिन्दी काव्य - I '

पाठ्य पुस्तकें :

(१) प्रियप्रवास (महाकाव्य) : पंडित अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
प्रकाशन : हिंदी साहित्य कुटीर, वाराणसी |

(२) राम की शक्ति पूजा (लम्बी कविता) : ('राग-विराग' संग्रह से) -
- **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' , प्रकाशन : सं. रामविलाश शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |**

(३) एक कंठ विषपायी (काव्य-नाटक) : दुष्यन्त कुमार , प्रकाशन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद-१ |

यूनिट-१ उपर्युक्त पाठ्य महाकाव्य 'प्रियप्रवास' में से सिर्फ दशम सर्ग की तथा 'राम की शक्ति पूजा' एवं 'एक कंठ विषपायी' समग्र में ससंदर्भ व्याख्या |

यूनिट-२ 'प्रियप्रवास ' महाकाव्य का काव्य-सौष्ठव :
'प्रियप्रवास ' का महाकाव्यत्व , वस्तु-योजना, चरित्रांकन, प्रकृति-चित्रण, रसनिरुपण, भाषा, प्रतीक, छंद-योजना, गीतात्मकता, शीर्षक एवं युग-बोध या समस्याएँ

यूनिट-३ 'राम की शक्ति पूजा' की वस्तु-योजना, उद्देश्य, भाषा, अनुभूति पक्ष, अभिव्यक्ति पक्ष तथा शीर्षक |

यूनिट-४ 'एक कंठ विषपायी' का काव्य-रूप, कथावस्तु, उद्देश्य, भाषा, शीर्षक एवं युग-बोध या समस्याएँ |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न-१ यूनिट-१ में से ससंदर्भ व्याख्या ('प्रियप्रवास' में से सिर्फ दशम सर्ग की तथा 'राम की शक्ति पूजा' और 'एक कंठ विषपायी' समग्र काव्य में से)

(क) अथवा (क), (ख) अथवा (ख) अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ उपर्युक्त नाटकों और निबंध-संग्रह में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

संदर्भ-ग्रंथ :

१. आधुनिक प्रबंध काव्य संवेदना के धरातल : सं. डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
२. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा |
३. नयी कविता के प्रबंध काव्य : शिल्प और दर्शन : उमाकांत गुप्त, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
४. हरिऔध और उनका साहित्य : डॉ. मुकुंददेव शर्मा
५. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |
६. निराला : आत्महंता आस्था : दूधनाथसिंह, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद |
७. महाप्राण निराला : सं. भूपतिराम साकरिया, हिंदी साहित्य अकादमी, गांधीनगर |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

८. राम की शक्ति पूजा : निराला की कालजयी कृति : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
९. लम्बी कविता : काव्य सौन्दर्य : डॉ. सोमाभाई पटेल, अमन प्रकाशन, कानपुर |
१०. दुष्यन्त कुमार रचनाएँ और रचनाकार : ग.तु. अष्टेकर, पंचशील प्रकाशन, जयपुर |
११. दुष्यन्त कुमार और उनका साहित्य : डॉ. हरिभरण शर्मा, चिन्तक प्रमोद प्रकाशन, नई दिल्ली |
१२. रचनाकार दुष्यन्त कुमार : डॉ. किशोर, विनय प्रकाशन, कानपुर-२१ |

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -302 सैद्धांतिक भाषाविज्ञान

पाठ्यक्रम :

यूनिट-१ भाषा और भाषाविज्ञान :

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा-संरचना और भाषिक-प्रकार्य |

- भाषा-विज्ञान स्वरुप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ(वर्णनात्मक-ऐतिहासिक-तुलनात्मक) |

यूनिट-२ स्वनविज्ञान :

स्वनविज्ञान का स्वरुप, स्वनविज्ञान की शाखाएँ, वागअवयव तथा उनका कार्य, स्वन की परिभाषा, स्वन का वर्गीकरण, स्वर वर्गीकरण और व्यंजन वर्गीकरण |

यूनिट-३ रूप विज्ञान और वाक्य विज्ञान :

- रूप विज्ञान की परिभाषा और स्वरुप, रूपिम के संरचना की दृष्टि से भेद और अर्थ की दृष्टि से भेद |

- वाक्य की परिभाषा और स्वरुप, वाक्य की आवश्यकताएं, वाक्य के भेद (रचना, क्रिया और अर्थ के आधार पर) |

यूनिट-४ अर्थ विज्ञान एवं भाषाविज्ञान तथा अन्य शास्त्र :

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

- अर्थ विज्ञान की परिभाषा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थबोध के साधन, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ |

- भाषाविज्ञान और समाजशास्त्र, भाषाविज्ञान और इतिहास, भाषाविज्ञान और मनोविज्ञान |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

संदर्भ-ग्रंथ :

१. भाषाविज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहबाद |
२. भाषा विज्ञान:सिद्धांत और स्वरुप : डॉ. जीतराम पाठक, अनुपम प्रकाशन,पटना |
३. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
४. भाषाविज्ञान के सिद्धांत : त्रिलोचन पाण्डेय, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली |
५. नवीन भाषा विज्ञान : डॉ. तिलकसिंह, प्रकाशन संसथान, नई दिल्ली |
६. संरचनात्मक भाषा विज्ञान : भारत भूषण चौधरी, संजीव प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली |
७. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिन्दी भाषा - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना , मीनाक्षी प्रकाशन ,मेरठ |
८. सामान्य भाषा विज्ञान : डॉ, बाबूराम सकसेना ,हिन्दी साहित्य सम्मेलन ,प्रयाग |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -303 स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास - I

पाठ्यक्रम :

यूनिट-१ - हिंदी साहित्येतिहास की पृष्ठभूमि एवं आधुनिककाल की पूर्वपीठिका :

हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा, इतिहास लेखनार्थ आधारभूत सामग्री, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ |

- आधुनिककाल नामकरण, परिस्थितियाँ, आधुनिकता का स्वरुप |

यूनिट-२ स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ :

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता की पृष्ठभूमि, नयी कविता, अकविता, प्रतिबद्ध कविता, समकालीन कविता |

यूनिट-३ स्वातंत्र्योत्तर हिंदी दृश्य-काव्य (नाटक-एकांकी) :

- **प्रयोगशील नाटक की पृष्ठभूमि, कथ्य-मंच-भाषा के स्तर पर प्रयोगशीलता, प्रमुख प्रयोगशील नाटककार एवं नाटक |**
- **गीतिनाट्य की पृष्ठभूमि, विशेषताएँ, नाटक और गीतिनाट्य में अंतर, प्रमुख गीतिनाट्य |**
- **नुक्कड़ नाटक का उद्भव और विकास, विविध आन्दोलन और नुक्कड़ नाटक, नुक्कड़ नाटक और रंगमंच, सीमा एवं संभावनाएं |**

यूनिट-४ आधुनिककालीन साहित्य का विकासात्मक परिचय :

कविता, नाटक, एकांकी, आलोचना |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

सन्दर्भ-ग्रंथ :

१. हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
२. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र , नागरी प्रचारिणी सभा , काशी |
३. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ. गंपतिचंद्र गुप्त
४. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय , राजपाल एंड सन्स , दिल्ली |
५. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह
६. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियां : डॉ. गोविन्दराम शर्मा
७. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबू गुलाबराय
८. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह
९. हिंदी साहित्य की भूमिका : डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
१०. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा
११. हिंदी गद्य : उद्भव और विकास : डॉ. उमेश शास्त्री
१२. हिंदी साहित्य : एक परिचय : डॉ. त्रिभुवन सिंह
१३. हिंदी साहित्य - युग और प्रवृत्तियां : डॉ. शिवकुमार शर्मा
१४. हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र
१५. हिंदी साहित्य का इतिहास: नए विचार नई दिशाएँ : डॉ. सुरेशकुमार जैन

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -304 अनुवादविज्ञान

पाठ्यक्रम :

यूनिट-१ अनुवाद की परिभाषा, अनुवाद कला या विज्ञान ? अनुवाद का महत्व, अनुवाद की सार्थकता-प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य |

यूनिट-२ अनुवाद की प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना, अनुदित पाठ का पूनर्गठन और अर्थ-सम्प्रेषण की प्रक्रिया, अनुवाद प्रक्रिया की प्रकृति, अनुवादक की योग्यता(गुण) |

- अनुवाद कार्य में सहायक उपकरण : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, संबंधित ग्रंथ, कम्प्यूटर आदि |

यूनिट-३ - अनुवाद के प्रकार : प्रक्रिया के आधार पर : शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, रूपांतरण | गद्य-पद्य के आधार पर : गद्यानुवाद, पद्यानुवाद | विधा के आधार पर: नाट्यनुवाद, काव्यानुवाद, कथानुवाद |

यूनिट-४ अनुवाद की समस्याएँ और समाधान : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद की समस्याएँ, विधि-साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

सन्दर्भ-ग्रंथ :

१. अनुवाद कला : डॉ. एन.ई. विश्नाथ अय्यर, प्रतिभा प्रतिष्ठान, दिल्ली |
२. अनुवाद विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, शब्दगार प्रकाशन, दिल्ली |
३. अनुवाद कला- सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली |
४. अनुवाद विज्ञान : स्वरुप और समस्याएँ : डॉ. राम्गोपल्सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद |
५. अनुवाद सिद्धांत की रुपरेखा : डॉ. सुरेशकुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
६. अनुवाद के विविध आयाम : डॉ. पूरनचंद टंडन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली |
७. अनुवाद - समस्याएँ और समाधान : सत्यदेव मिश्र, रामाश्रय सविता, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ |
८. अनुवाद का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक परिचय : डी. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, साहित्य रत्नालय, गिलिस बाजार, कानपूर |
९. प्रयोजनमूलक हिंदी भाग:१-२ : सं. डॉ. अर्जुन के. तडवी तथा अन्य., युनिवर्सिटी ग्रंथनिर्माण बोर्ड, गुजरात राज्य, अहमदाबाद |
१०. व्यावहारिक अनुवाद : डॉ. एन.ई. विश्नाथ अय्यर, प्रतिभा प्रतिष्ठान, दिल्ली |
११. अनुवाद और मशीनी अनुवाद : वृषभप्रसाद जैन, सरश प्रकाशन, दिल्ली |
१२. अनुवाद : स्वरुप और आयाम : सं.डॉ. त्रिभुवनराय, अनिल प्रकाशन, इलाहांबाद |
१३. अंग्रेजी-हिंदी पारिभाषिक शब्द कोष : डॉ. हरदेव बाहरी, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली|
१४. अनुवाद विज्ञान : डॉ. माधुरी छेड़ा, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : ID-305 B जनसंचार प्रक्रिया और हिन्दी (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम :

यूनिट-१ जनसंचार माध्यम :

अर्थ और स्वरुप, जनसंचार माध्यम के प्रकार, कार्य, उद्देश्य, |

यूनिट-२ जन-संपर्क और जनसंचार:

जन-संपर्क का अर्थ, जन-संपर्क के मुख्य आधार, जन-संपर्क के माध्यम

जनसंचार प्रक्रिया के तत्व, संचार के प्रकार |

यूनिट-३ जनसंचार माध्यमों के विविध भाषा रूप (भाषिक प्रकृति) :

समाचार का भाषा-रूप, विज्ञापन का भाषा रूप, विज्ञान और अनुसन्धान से संबंधित कार्यक्रमों में प्रयुक्त भाषा, जनशिक्षा, साक्षात्कार, साहित्य प्रसारण, कृषि-खेल-संगीत-धार्मिक कार्यक्रमों के प्रसारण में हिंदी का प्रयोग |

यूनिट-४ समाचार और विज्ञापन :

समाचार का अर्थ, समाचार के तत्व, समाचार के स्रोत, विज्ञापन की परिभाषा, विज्ञापन के प्रकार |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

- ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ४
यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ५
प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी ,
जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

सन्दर्भ-ग्रंथ :

१. आधुनिक विज्ञापन : डॉ. प्रेमचंद पातंजलि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
२. इलैक्ट्रोनिक मीडिया और हिंदी : डॉ. रेश्मा नाडक, संजय प्रकाशन, दिल्ली |
३. जन-पत्रिका, जन-संचार एवं जन-संपर्क : सूर्यप्रसाद दीक्षित, संजय प्रकाशन, दिल्ली |
४. जन-संचार एवं पत्रकारिता : प्रो. रमेश जैन, मंगलदीप प्रकाशन, जयपुर |
५. जन-संचार और हिंदी पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
६. जन-संचार माध्यम एवं हिंदी पत्रकारिता : विजय शर्मा, इशिका पब्लिशिंग हाउस, जयपुर |
७. पत्रकारिता एक एक परिचय : संदिप्कुमार श्रीवास्तव, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
८. पत्रकारिता के नए आयाम : इस.के. दुबे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
९. मीडिया : आयाम और प्रतिमान : डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
१०. मीडिया और हिंदी : डॉ. पंडित बन्ने, अमन प्रकाशन, कानपूर-२
११. प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रो. रमेश जैन, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली |
१२. प्रयोजनमूलक हिंदी भाग:१-२ : सं. डॉ. अर्जुन के. तडवी तथा अन्य., युनिवर्सिटी ग्रंथनिर्माण बोर्ड, गुजरात राज्य, अहमदाबाद |
१३. जन संचार : विविध आयाम : ब्रजमोहन गुप्त, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली |
१४. प्रिन्ट मीडिया लेखन : डॉ. हरिस अरोड़ा, के.के. पब्लिकेशन, नई दिल्ली |
१५. मीडिया और साहित्य : डॉ. योगेन्द्र प्रतापसिंह, साहित्य रत्नालय, कानपुर |
१६. मीडिया लेखन : सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

CORE COURSE

ગુજરાતી

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A. SEMESTER- III : CORE COMPULSORY – PAPER : C.C.-301

પ્રશ્નપત્ર : ગ્રંથકારનો અભ્યાસ : રાવજી પટેલ (અર્વાચીન)

એકમ-૧ : ૧. લેખક-ગ્રંથકારનો જન્મ અને કવન સમયની સામાજિક , રાજકીય અને સાંસ્કૃતિક પરિસ્થિતિ.
૨. સર્જકનું જીવન અને સાહિત્યિક અર્પણ
૩. ગ્રંથકારના સર્જક વ્યક્તિત્વને ઘડનારાં પરિબળો

એકમ-૨ : સર્જક રાવજી : કવિ તરીકે :
કૃતિ : 'અંગત'
પ્રકાશક : આદર્શ પ્રકાશન

એકમ-૩ : સર્જક રાવજી : નવલકથાકાર તરીકે
૧) અશ્રુઘર
૨) ઝંઝા
પ્રકાશક : આદર્શ પ્રકાશન

એકમ-૪ : સર્જક રાવજી : વાર્તાકાર તરીકે
'રાવજી પટેલની શ્રેષ્ઠ વાર્તાઓ' પ્રકાશક – આદર્શ પ્રકાશન

એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમ ૧થી ૪ માંથી એક-એક એમ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછાશે , જેમાંથી વિદ્યાર્થીએ બેના જવાબ લખવાના રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો:

૧. ગુજરાતી સાહિત્યનો ઇતિહાસ – ભાગ-૧ થી ૬, પ્રકાશન : ગુજરાતી સાહિત્ય પરિષદ
૨. અર્વાચીન ગુજરાતી સાહિત્યનો ઇતિહાસ : ધીરુભાઇ ઠાકોર
૩. નવલકથા : સાહિત્ય અને સ્વરૂપ : સં. શિરીષ પંચાલ
૪. કથેતી : જયેન્દ્ર શેખડીવાળા : ડિવાઇન પબ્લિકેશન
૫. સર્જક રાવજી પટેલ : સતીશ ડણાક : આદર્શ પ્રકાશન
૬. સર્જક રાવજી પટેલ : મણિલાલ હ. પટેલ : પાર્શ્વ પ્રકાશન
૭. રાવજી પટેલ : મહંમદ ઇસ્હાક શેખ , પાર્શ્વ પ્રકાશન
૮. અંગગત છવિ – જયેન્દ્ર શેખડીવાલા, ડિવાઇન પ્રકાશન

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A. SEMESTER- III : CORE COMPULSORY – PAPER : C.C.-302

પ્રશ્નપત્ર : પાશ્ચાત્ય સાહિત્ય મીમાંસા

એકમ-૧ : ૧. પાશ્ચાત્ય સાહિત્ય મીમાંસાનો પરિચયાત્મક ખ્યાલ.
૨. પ્લેટોની કળા વિભાવના
૩. એરિસ્ટોટલની ટ્રેજેડીની વિભાવના

એકમ-૨ : ૧. લોન્જાઇનસની ભવ્યતાની વિભાવના
૨. વર્ડ્ઝોવર્થનો કવિતાવિચાર

એકમ-૩ : ૧. મૅથ્યુ આર્નોલ્ડનો કવિતા વિચાર (૩) સાહિત્ય અને જીવનનો સંબંધ
૨. કોલરીજનો કલ્પના વિચાર

એકમ-૪ : ૧. ટી.એસ.એલિયેટનો કવિતા વિચાર (૩) કવિતાના ત્રણ સૂર
૨. બેનેડેટ ક્રોંચેનો કવિતા વિચાર

એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમ ૧થી ૪ માંથી એક-એક એમ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછાશે , જેમાંથી વિદ્યાર્થીએ બેના જવાબ લખવાના રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો:

૧. પાશ્ચાત્ય વિવેચનના સિદ્ધાંતો – બહેચરભાઇ પટેલ
૨. પ્લેટો અને એરિસ્ટોટલની કાવ્યવિચારણા – જયંત કોઠારી
૩. એરિસ્ટોટલનું કાવ્યશસ્ત્ર – અનિરુદ્ધ બ્રહ્મભટ્ટ
૪. ઉદાત્તતત્વ – ચંદ્રશનકર ભટ્ટ
૫. પશ્ચિમનું સાહિત્ય વિવેચન – શિરીશ પંચાલ
૬. ક્રોંચેનો કલાવિચાર – નગીનદાસ પારેખ
૭. પાશ્ચાત્ય સાહિત્ય મીમાંસાના સીમાસ્તંભો – બહેચરભાઇ પટેલ
૮. સાર્ત્રનો સાહિત્ય વિચાર – સુમન શાહ
૯. કલામીમાંસા સન્નિધાન – સુમન શાહ
૧૦. ભારતીય અને પાશ્ચાત્ય સાહિત્ય મીમાંસા –રમેશ ત્રિવેદી
૧૧. મેથ્યુઆર્નોલ્ડનો કાવ્યવિચાર – ભરત મહેતા

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A. SEMESTER- III : CORE COMPULSORY – PAPER : C.C.-303

પ્રશ્નપત્ર : ભાષાવિજ્ઞાન અને ભાષાનું સ્વરૂપ

એકમ-૧ : ભાષાવિજ્ઞાન પરિચય – ૧

૧. ભાષાવિજ્ઞાન અને ભાષાશાસ્ત્રનું સ્વરૂપ

૨. ભાષાવિજ્ઞાનનો વિષયપ્રદેશ , કાર્યક્ષેત્ર

૩. ભાષા અધ્યયનનું મહત્વ

૪. ભાષા અધ્યયનની વિવિધ પદ્ધતિઓ

એકમ-૨ : ભાષાવિજ્ઞાન પરિચય -૨

૧. શબ્દ અને અર્થનો સંબંધ

૨. ભાષાવિજ્ઞાનની વિવિધ શાખાઓ

(ધ્વનિવિજ્ઞાન , પદવિજ્ઞાન, અર્થવિજ્ઞાન, વાક્યવિજ્ઞાન)

૩. ભાષાવિજ્ઞાનનો અન્ય વિદ્યાશાખાઓ સાથેનો સંબંધ

એકમ-૩ : ઉચ્ચારણ પ્રક્રિયાનો અભ્યાસ :

૧. ઉચ્ચારણ પ્રક્રિયા , વાગ્અયવયવોનું કાર્ય

૨. ધ્વનિ , ધ્વનિ ઘટક અને ઉપધ્વનિ ઘટક

૩. માન્ય ભાષા અને બોલી

૪. ભાષા મિશ્રણો : પિડજિન અને ક્રેઓલ

એકમ-૪ : ભાષા અને ગુજરાતી ભાષા અભ્યાસ :

૧. ભાષા વર્ગીકરણની પદ્ધતિઓ

૨. રૂપઘટક અને ઉપરૂપઘટક

૩. વાક્યગુણ (આકાંક્ષા-યોગ્યતા સંનિધિ)

૪. ગુજરાતની સરહદી બોલીઓ (ભીલી , ખાનદેશી, કચ્છી, મારવાડી)

એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમ ૧થી ૪ માંથી એક-એક એમ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછાશે , જેમાંથી વિદ્યાર્થીએ બેના જવાબ લખવાના રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો: ૧. ભાષાપરિચય અને ગુજરાતી ભાષાનું સ્વરૂપ : જયંત કોઠારી

૨. ગુજરાતી ભાષાનું ધ્વનિસ્વરૂપ અને ધ્વનિ પરિવર્તન – પ્રબોધ પંડિત

૩. ગુજરાતી ભાષા :ઉદ્ગમ , વિકાસ અને સ્વરૂપ – ડો. કે.બી.વ્યાસ

૪. ભાષાવિજ્ઞાન ખંડ -૧ – ડો. કે.બી.વ્યાસ

૫. વ્યુત્પત્તિ વિચાર –ડો. હરિવલ્લભ ભાયાણી

૬. બોલી વિજ્ઞાન અને ગુજરાતી બોલીઓ – ડો. યોગેન્દ્ર વ્યાસ

૭. ભાષા સમાજ અને સાહિત્ય – ડો. યોગેન્દ્ર વ્યાસ

૮. ભાષાનો વૈજ્ઞાનિક અભ્યાસ – ડો. યોગેન્દ્ર વ્યાસ

૯. ગુજરાતી વ્યાકરણ – ડો. યોગેન્દ્ર વ્યાસ

૧૦. ભાષાવિજ્ઞાન : સિધ્ધાંત વિમર્શ – ડો. દિનેશ પટેલિયા

૧૧. રૂપશાસ્ત્ર : એક પરિચય – ડો. ઊર્મિ દેસાઇ

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A. SEMESTER- III : CORE COMPULSORY – PAPER : C.C.-304

પ્રશ્નપત્ર : તુલનાત્મક સાહિત્ય

એકમ-૧ : ૧. તુલનાત્મક સાહિત્ય: સંજ્ઞા અને સ્વરૂ પ

૨. તુલનાત્મક સાહિત્યનું મહત્વ અને કાર્યક્ષેત્ર

૩. ગુજરાતી સાહિત્ય , ભારતીય સાહિત્ય અને વિશ્વ સાહિત્ય : કૃતિ તુલના

૪. તુલનાત્મક સાહિત્યમાં અનુવાદનું મહત્વ

એકમ-૨ : તુલનાત્મક કૃતિ અભ્યાસ :

નિયત કૃતિઓ:

(૧) માનવીની ભવાઇ

લેખક:પન્નાલાલ પટેલ

(૨) ગુડ અર્થ

લેખક: પર્લ બક

અનુ. નવનીત મદ્રાસી

પ્રકાશક: આદર્શ પ્રકાશન

એકમ-૩ : કૃતિલક્ષી સામાન્ય (જનરલ) પ્રશ્નો

એકમ-૪ : કૃતિલક્ષી ટૂંકનોંધ

એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમ ૧થી ૪ માંથી એક-એક એમ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછાશે , જેમાંથી વિદ્યાર્થીએ બેના જવાબ લખવાના રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો:

૧. તુલનાત્મક સાહિત્યની ભૂમિકા : ઇન્દ્રનાથ ચૌધરી

૨. તુલનાત્મક સાહિત્ય : પ્રસાદ બ્રહ્મભટ્ટ

૩. તુલનાત્મક સાહિત્ય – ધીરુ પરીખ

૪. સ્વાધ્યાય : ડો. દમયંતી પરમાર

૫. તુલનાત્મક સાહિત્યનો અભ્યાસ – ધીરુ પરીખ

૬. ભારતીય નવલકથામાં પ્રકૃતિ નિરુપણ : એક તુલનાત્મક અભ્યાસ – ડો. મુકેશ વસાવા

૭. તુલનાસંદર્ભ : વિજય શાસ્ત્રી : આદર્શ પ્રકાશન

૮. કૃતિગત: વિજય શાસ્ત્રી : આદર્શ પ્રકાશન

૯. માનવીની ભવાઈ : મણિલાલ હ. પટેલ

૧૦. પન્નાલાલ પટેલ : પ્રમોદકુમાર પટેલ

૧૧. તુલનાત્મક સાહિત્ય : સં.ડૉ.બળવંત જાની વગેરે.

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A. SEMESTER- III : INTERDISCIPLINARY COURSE – PAPER : ID-305(B)

પ્રશ્નપત્ર : ગાંધી સાહિત્ય

એકમ-૧ : ૧. ગાંધીજી: વ્યક્તિત્વ અને વાડ્.મય

૨. ગાંધી વિચારધારા

૩. ગાંધીયુગના સાહિત્યની લાક્ષણિકતાઓ

એકમ-૨ : ૧. ગુજરાતી કવિતા પર ગાંધીપ્રભાવ

૨. ગુજરાતી નવલકથા પર ગાંધીપ્રભાવ

૩. ગુજરાતી આત્મચરિત્ર સાહિત્ય પર ગાંધીજીનો પ્રભાવ

એકમ-૩ : ગાંધીયુગની પ્રમુખ રચનાઓ: (પરિચયાત્મક અભ્યાસ)

૧. દિવ્યચક્ષુ – ૨.વ.દેસાઇ

૨. યુગવંદના – ઝવેરચંદ મેઘાણી

૩. પરિત્રાણ – મનુભાઇ પંચોળી

એકમ-૪ : યુગ પ્રભાવક કૃતિ અભ્યાસ

નિયત કૃતિ : 'સત્યના પ્રયોગો'

લેખક: ગાંધીજી

એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમ ૧થી ૪ માંથી એક-એક એમ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછાશે , જેમાંથી વિદ્યાર્થીએ બેના જવાબ લખવાના રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો: ૧. ગાંધીજી – ચી.ના.પટેલ (કુમકુમ પ્રકાશન)

૨. બહુરૂપી ગાંધી – અનુ. જિતેન્દ્ર દેસાઇ (નવજીવન)

૩. ગાંધીજી – કેટલાય સ્વાધ્યાયના લેખો – નગીનદાસ પારેખ

૪. મહાત્મા ગાંધીની કેળવણીની ફિલસૂફી – મણિભાઇ પટેલ (નવજીવન)

૫. અર્વાચીન ગુજરાતી સાહિત્યનો ઇતિહાસ ખંડ ૧ થી ૬ – ગુ.સા. પરિષદ

૬. અર્વાચીન ગુજરાતી સાહિત્યનો ઇતિહાસ – ધીરુભાઇ ઠાકર

૭. ગાંધીયુગીન પ્રાદેશિક – જાનપદી નવલકથા : રૂપલ ભટ્ટ : આદર્શ પ્રકાશન

૮. દર્શક અધ્યયન ગ્રંથ : રંગદ્વાર પ્રકાશન , અમદાવાદ

૯. સત્યના પ્રયોગો : સઘન સ્વાધ્યાયશ્રેણી : ભરત મહેતા

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

CORE COURSE

સમાજશાસ્ત્ર

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A.Sem. III
Core Course
SOCC-301
Perspective on Indian Society

Objective :

The courses is intended to provide an additional capacity for the students to discover enough about the society in the region. To develop skills for regional sociological approach analogous to regional economics in order to plan for development and action strategies. To Sencitise the students about different perspective w.r.t. Indian Society.

Outcome :

To enable the students to construct the local knowledge on culture and nature of the region as social space.

Student will come to know about different perspectives of Indian Scholar about Indian Society.

Course Outline :

Unit-I Ideological Perspectives

A) G.S.Ghurye
- Theoretical approach of ghurye
- works of Ghurye
  - Cast and Tribe
  - Religion
- Rural, Urbanization
- Culture and Civilization
- National unity and integration

B) Radhakamal Mukerjee
- Theoretical Foundation and Methdology
- Work of R. K. Mukerjee
- Indian Culture and civilization
- Theory of Society
- Personality, Society and velues

Unit-II Structural Functional Perspective

A) M.N.Shrinivas
- Theoretical and methodological Perspectives
- Works of M.N.Shrinivas
- Study of Village
- Views on Caste
- Sanskrtization

B) S.C. Dube
- Theoretical and Methodological Perspectives
- Works of S.C. Dube
- Village Study, Structure Function and Change
- Indian Society : Trends and Change
- Modernization, Development

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

Unit-III Marxist Perspective

A) A.R.Desai

- Methodology and Theoretical Perspective
- Works of A. R. Desai
- Relevance of Marxist Approach
- Analysis of Indian Society Through Marxist Approach

B) D.P.Mukarjee

- Methodology and theoretical Perspective
- Works of D.P. Murkarjee
- Marxian and Indian Situation
- Role of New middle Class
- Making of Indian Society

Unit-IV Subaltern Perspective

A) Dr.B.R.Ambedkar

- Concept of Dalit
- Works of Dr.BR.Ambedkar
- Dalit Liberation : Subaltern Approach
- Exploration of Concepts (Methodology, Ideology, Religion, Caste, Untouchabllity and Identity)

B) David Hardiman

- Socilogycal perspective of subaltern by Hardiman
- Works of David Hardiman
- The Devi movement : Genesis of Resistances.

<u>Recommended Books</u> :

1. Atal Yogesh : Indian Sociology .Rawat Publication ,Jaipur-2005
2. De-Soza P.R. : Contemporary Indai-Translations,Sage New Delhi-2000
3. Dhangare D.N. : Themes and Perspectives in Indian Sociology ,Rawat ,Jaipur-1993
4. Dumont Louis : Homo Hierachicus : The Caste System and its Implications,Vikas New Delhi-1970
5. KarveIrawati : Hindu Society ,an Interpretation ,Poonam Deccm College-1960
6. Mukharjee D.P. :Diversities Peoples Publishing House,Delhi-1998
7. Shah A.M. : Economist and Anthropologist
8. Srinivas M.N. : India’s Asia Publishing House Bombay-1960
9. Hardiman David : Feeding the Bani Peasant and Usurers in Western India ,Oxford University Press-1996
10. Hardiman David : The Coming of the Devi ,Adivasi Assertion in Western India ,Oxford University Press-1987
11. शर्मा विरेन्द्र प्रकाश : समाजशास्त्रीय चिन्तन के आधार ,□ंचशील प्रकाशन ,जय□ुर-२००५
12. डॉ. महाजन संजीव : भारत में समाजशास्त्र ,अर्जुन □ब्लिसिंग हाउस नई दिल्ली
13. □□ □□□□□□□□□□

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A.SEM. III

Core Course

SOCC-302

Social Demography

Objective :

This paper introduces the students a sociological demography concepts and theory. Population size of often considered a crucial variable in appreciating social issues. The problems of developing societies are attributed to their population size. These views demands a proper academic and objective understanding of the dynamic of population. To acquaint students with the demographic features and trends of Indian society Vis-a-vis world population.

Outcome :

To understand the influence of population on social phenomena.

To appreciate population control in terms of social needs.

To appreciate population control measure and their implementation.

Course Outline :

Unit-I Introduction

- Definition ,Nature and Scope of Social demography.
- Need of Population Studies in India.
- Major Sources of Social demographic Studies ,there uses and Limitations.
- Indian Census : Brief introduction

Unit-II Population Theories :

- Nature Law theories of Population.(Malthus)
- Be Social theory of Population of Karl Marx.
- Theory of demographic transition.
- Optimum theory of Population.

Unit-III Basic Demographic Concepts :

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

- Birth Rate ,Live birth ,Still birth ,reproductive age group ,death Rate - ,Expectancy of Life at birth ,Sex ratio ,infant mortality rate ,Population control , Family Planning Family Welfare ,Small family Norms , Spacing ,Eligible Couples .
- Skewed sex Ration : Gujarat and India

B. Fertility :

- Meaning of fertility and Differential fertility factors affecting fertility ,factors affecting fertility ,eg, Age at Marriage ,Levels of Economic development.

C. Mortality :

- Mortality-Causes of death and infant Mortality

D. Migration :

- Meaning ,Types and Causes of Migration

Unit-IV India's Population Problems

- Quantitative Problems and Qualitative Problems : their cause and remedies
- Meaning and need of family planning.
- Factor Hindering family Planning Programme in India.
- Methods of Family Planning.

Recommended Books :

1. Finkle, Jason L and C Ali Mclntosh (Ed) The New Policies of Population. New York : The Population Council, 1994.
2. Hatcher Robert et al the essential of contraceptive technology Baltimere : John Hopkins School of public health, 1997.
3. Bose, Asish : Demographic Diversity of India Delhi : B.R. Publishing Corporation, 1991.
4. Premi, M.K. et al. An Introduction to social Demography Delhi : Vikas Publishing House, 1983.
5. Rajendra Sharma : Demography and population problems New Delhi : Atlantic publisher, 1997.
6. Srivastava, O.S. Demography and population studies New Delhi : Vikas Publishing House, 1994.

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

7. Chandrashekhar, S. (Ed.) Infant Mortality, Population Growth and family planning in India London: George Allen & Unwin Ltd. 1974.
8. Agrawala S.N. - India's Population Problems. , Bombay : Tata McGraw-Hill.
9. Mamoria C.B. - India's Population Problems.
10. Bhede & T. Kanitkar – 'Principal of Population.'
11. K. Shrinivasan & S. Mukerji – Dynamics of population on and family – Welfare.
12. Rao, Kamala Gopal – 'Studies in family planning: india, New Delhi, Abhinav publication, 1974.
13. Ashish Bose and other: Population in India's Development: 1947, 20 Delhi, vikas, 1974.
14. Hereley, George. W.: Techniques of population Analysis London. John Wiley and sons. Inc, 1958.
15. Coale, Ansley J. and Ednar M. Hoover : population Growth and Economic Development in low income countries. Prinction, Princeton – University Press, 1958.
16. Dadekar kumudini: In Defence of compulsory sterilization Economic and political weekly. Vol. 11 No. 21, May 22, 1976.
17. Ford, Thomas R. and ardon E. Dejone : Social Demography : New Jersey, Prentice Hall Inc, 1970.
18. Houser Philip M. (Ed.) The population Dilemma: New Jersey : Prentice Hall Inc, 1963.
19. ડો. રશ્મિન ઠાકોર – વસ્તી શિક્ષણ (ગુજરાત યુનિવર્સિટી પ્રકાશન)
20. રમેશ ભટ્ટ – વસ્તી (એસ. એન. અગ્રવાલના પુસ્તકનો અનુવાદ)
21. ડો. હરિન દેરાસરી – લગ્નજીવન, માતૃત્વ અને કુટુંબ નિયોજન (1974) વિભા ત્રીજો.
22. ગ્રામ આરોગ્ય રક્ષક કુટુંબ કલ્યાણ બ્યુરો, ગુજરાત સરકાર.
23. દેસાઇ જે. એન. અને ભટ્ટ બી. કે. - વસ્તી શિક્ષણ (સામાજિક વસ્તીશાસ્ત્ર) યુનિવર્સિટી ગ્રંથ નિર્માણ બોર્ડ.
24. પટેલ વિનુભાઈ એમ. – વસ્તી સમસ્યા અને ઉકેલ.
25. પટેલ ચતુરભાઈ અને મહેતા હર્ષદભાઈ - વસ્તી શિક્ષણ (અમદાવાદ પાશ્વ પ્રકાશન)
26. પ્રો.શાહ એ.જી.અને દવે જે.કે : સામાજિક વસ્તીશાસ્ત્ર અને ભારતમાં કુટુંબનિયોજન ,અનડા બુક ડીપો -૨૦૦૯-૨૦૧૦
27. પ્રો.શાહ એ.જી. : વસ્તીશાસ્ત્ર અને ભારતમાં કુટુંબનિયોજન ,અનડા બુક ડીપો -૨૦૦૩

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A.Sem. III

Core Course

SOCC-303

Sociology of Religion

Objective :

Religion is an ubiquitous phenomenon and its relation to society, culture and polity raises important sociological issues. This paper introduces the students to the subfield of sociology of religion. After analyzing the basic concepts and key interpretations of religion ,it focuses on the interface between religion and society in India and the contestation over religion in contemporary times. It concludes with an analysis of social change in relation to religion.

Outcome :

Student will obtain nature of religion.

Student will know about Indian religion.

Student will know about approach the study of religion.

Course Outline :

Unit-I Introduction

- Definition and its relationship with Philosophy ,Ethics ,Dharma ,Science and Law.
- Main Components of religion Belief ,Rituals ,Symbols and Myths.
- Sociology of Religion Definition and Scope
- Characteristics of Religion as a Social Institution
- Function and dysfunctions of religion

Unit-II : Sociological Interpretations of Religion :

- Durkheim and Sociological Functionalism
- Max Weber and Phenomenology
- Karl Marx and dialectical Materialism
- Levi Strauss and Structuralism

Unit-III : Religions of India :

- Hinduism
- Jainism
- Buddhism

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

- Christianity
- Islam
- Tribal Religion
- Sikhism

Unit-IV : Contestation over Religion in India :

- Ideology
- Fundamentalism
- Communalism
- Secularism

Recommended Books :

- Asgarali Engineer – communalism in india
- Achyutbhai Yagnik. Modern Gujarat, Penguin Publishing co.
- Baird, Robert D. (ed.) 1995 (3rd Edition). Religion in modern India. Delhi. Manohar.
- Jones, Kenneth W. 1989. Socio – Religious reform movements in British India (The new Cambridge history of India III - 1). Hyderabad : Orient Longman
- Madan, T N (ed.) 1992 (enlarged edition). Religion in India. New Delhi : Oxford University Press
- Muzumdar, H. T. 1986. India's religious heritage. New Delhi : Allied
- Roberts Keith A. 1984. Religion in sociological perspective. New York : Dorsey Press.
- Shakir, Moin (ed) 1989. Religion state and politics in India. Delhi : Ajanta Publications.
- Turner, Bryan S. 1991 (2nd edition). Religion and social theory. London : Sage
- દવે જે.કે. : ધર્મનું સમાજશાસ્ત્ર ,અનડા બુક ડીપો ,અમદાવાદ
- ડૉ.વાઘેલા અનિલ.એસ. : સમાજશાસ્ત્રનો પરિચય ,યુનિવર્સિટી ગ્રંથનિર્માણ બોર્ડ ,અમદાવાદ
- ડૉ.પવાર બી.એલ. : આદિવાસીઓમાં ધર્માન્તરણ ,શબ્દ સાધના પ્રકાશન ,જુનાગઢ

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A.Sem.III

Core Course

SOCC-304

Industry and Society in India

Objective :

This course is designed to give knowledge to the PG students on Industrial Society and Sociological Order ,Industrialization process work transformation, Industrial towns and cities and also on Industrial Organization with personnel management practices with special reference to India.

Outcome :

1. Students will able to understand the industrial society and its relation with society.
2. Students will able to know the actual situation in industrial Organization in Sociological perspective.
3. Student will able to do work with Industry.

Unit-I Industry and Industrialization

- Meaning and Classification of Industry.
- Industrialism
- Industrialization, Meaning and Definitions, Characteristics of Industrialisation, Preconditions of Industrialisation, Causes of Industrialisation .
- Industrialisation in India, Impact of Industrialisation in India, Recent Trends of Industrialisation.

Unit-II Industrial Society

- Meaning Definition
- Nature of Industrial Society.
- Origin and Development of Industrial Society.
- Factory as a Social system.
- Post Industrial Society.

Unit-III Industrial Management

- Meaning and Definition of Industrial Management.
- Characteristics of Industrial Management.
- Types of Industrial Management.
- Functions of Industrial Management.
- Fundamental Principles of Industrial Management.
- Importance and Limitations of Industrial Management.
- Recent Trends in Industrial Management in India.

Unit-IV Industrial Relations

- Meaning of Industrial Relations
- Types of Industrial Relations.
- Industrial Disputes and Conflict Resolutions : Negotiations, Conciliation, Adjudication, Arbitration, Collective bargaining and workers participation in Management.

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

Recommended Books :

- Seth.N.R.(ed) (1982) : Industrial Sociology in India ,Allied Publishers Pvt.Ltd.Bombay
- Moor.W.E. (1977) : Industrial Relations and Social order ,Arno Press,New York
- Gadgil.D.R.(1959) : Industrial Revolution of India ,Geoffery,Oxford.
- Parker.S.R. (1981) : The Sociology of Industry ,Georage Allene Unwin London
- Warson.K.Tony. (1995) : Sociology world and Industry,R..K…P..London.
- Mamoria.C.B.Z. (1992) : Dynamics of Industrial Relation in India,Himalaya Publishing House,Mumbai.
- Philip Hancock. (2001) : Work Post Modernism and Organisation ,Melissa Taylor Sage,N.Delhi.
- डॉ.शर्मा राजेन्द्रकुमार : औधोगिक समाजशास्त्र ,एटलांटिक □ब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स ,नई दिल्ली
- डॉ.महाजन संजीव : औधोगिक समाजशास्त्र ,अर्जुन □ब्लिशिंग हाऊस ,नई दिल्ली
- डॉ. देवरे सुधीर राजराम : औधोगिक समाजशास्त्र , अर्जुन □ब्लिशिंग हाऊस ,नई दिल्ली
- झा.विश्वनाथ : औधोगिक समाजशास्त्र ,रावत □ब्लिकेशन्स ,जय□ुर
- गोयल सुनील ,गोयल संगीता : औधोगिक समाजशास्त्र ,आर.बी.एस.ए □ब्लिशर्स ,जय□ुर
- डॉ.निलयकुमार : समाजशास्त्रीय □रिप्रेक्ष्य में औधोगिकरण एवं श्रमिक □रिवार ,कला प्रकाशन,वाराणसी
- शर्मा आर.□ी.और राठौड़ अजयसिंह : औधोगिक समाजशास्त्र ,रिसर्च □ब्लिकेशन ,जय□ुर-१९९९
- तिलारा कुँवरसिंह : औधोगिक समाजशास्त्र ,प्रकाशन केन्द्र ,लखनऊ -१९९९
- खेर □ी.सी. और सिन्हा वी.सी. : औधोगिक समाजशास्त्र ,मयूर □□र बेक्स ,नोएडा -२०००
- દવે જે.કે. : ઔધોિ□ક સમાજશાસ્ત્ર ,અનડા બુક ડીપો ,અમદાવાદ
- ડો.ત્રિવેદી જયપ્રકાશ એમ. : ઔધોિ□ક સમાજશાસ્ત્ર ,યુનિવર્સિટી ગ્રંથનિર્માણ બોર્ડ અમદાવાદ

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A.Sem.III

Inter Disciplinary Courses

SOIDC 305

Regional Sociology

(Optional Paper)

Objective :

To provide an additional capacity for the students to discover enough about the society in the region. To develop skills for regional sociological approach analogous to regional economics in order to plan for development and action strategies. To enable the students to construct the local knowledge on culture and nature of the region as social space.

Outcome :

1. Student will sensitized towards the basic problems of Gujarat Society.
2. Analytical Framework and research orientation about contemporary Gujarat will develop among students.

Course Outline :

Unit-I Region as a Social Space & Region as a Sociological Construct

(A) Region as a Social Space :

Social Spatial aspects of Society, Region (Gujarat) as a Cultural Construct in Historical and Contemporary Dimensions.

(B) Region as a Sociological Construct :

Diversity, Plurality and Unit of Region, Culture, Caste, Race, Ethnicity, Language and Nature and Human Resource Potential.

Unit-II Caste in Gujarat

A. Gujarat as a Regional, Geographical Characteristics of Gujarat.

B. The impact of constitutional Community Life in Region Gujarat.

- Schedule Caste
- Schedule Tribe
- Other Backward class
- Caste and Gender

Unit-III Methodological approach :

- Social Survey and anthropological approach, Perspective from below, local history, folklore, indigenous records, dairy, manuscript and Subaltern dimensions, Sociological Literature in Gujarat.

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

Unit-IV Social Issues and Reforms in Gujarat

- **Regional Sociological Issues :**
  (Literacy and Violence)
- **Social Reforms in Gujarat.**
  Gandhian, Dalit and religious movement in Gujarat.

Recommended Books :

- Madan.T.N.: (1994) : Pathways ,approaches to the study of Sociology in India ,OUP,New Delhi.
- Dhanaghre D.N. :(1993) :Themes and Perspectives in Indian Sociology ,Rawat Publications.
- Shah A.M. (2000) : Sociology in Regional Context ,Seminar ,495
- Singh Y. (1986) : Social Conditioning of Indian Sociology ,The Perspectives,Vistar Publications.
- Edward W.Soja : (1989) : Post Modern Geography : The reassertion of critical social theory ,Blackwell.
- Edward W.Soja : (1996) : The third Space ,Blackwell.
- ડૉ.વાઘેલા અનિલ : પ્રાદેશિક સમાજશાસ્ત્ર ,પાર્શ્વ પબ્લિકેશન ,અમદાવાદ
- ડૉ.વાઘેલા અનિલ : પ્રાદેશિક સમાજશાસ્ત્ર ,અનડા બુક ડીપો ,અમદાવાદ
- ગુજરાતમાં વિકાસનો સાંસ્કૃતિક સંદર્ભ -વિધુત જોષી
- ગુજરાતમાં જ્ઞાતિના કેટલાક નિરીક્ષણો -□ૌરાં□ જાની
- ગ્રામીણ સૌરાષ્ટ્રનું સામાજિક રચનાતંત્ર -સનત □ ઢવી

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN